संख्या-- 137 VI-I / 2005

प्रेषक,

अमिताभ श्रीवास्तव,
अपर सचिव,
उत्तरांचल शासन।

सेवा में,

निदेशक,
संस्कृति निदेशालय,
देहरादून।

संस्कृति अनुभाग : देहरादून : दिनांक 13 मई, 2005

विषय:-उत्तराखण्ड संस्कृति, साहित्य एवं कला परिषद को अनुदान दिए जाने के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक संस्कृति निदेशालय के पत्र संख्या-55/सं0नि0उ0/दो-3./2005-06, दिनांक 23 अप्रैल 2005 के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि वित्तीय वर्ष 2005-06 में संस्कृति, साहित्य एवं कला परिषद को अनुदान हेतु रू0 25.00 लाख (रूपये पच्चीस लाख मात्र) में से प्रथम किश्त के रूप में रू0 6.25 लाख (रूपये छः लाख पच्चीस हजार मात्र) को व्यय करने हेतु श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

2-- यहां यह भी स्पष्ट किया जाता है कि धनराशि का आवंटन किसी ऐसे व्यय को करने का अधिकार नहीं देता है, जिसे व्यय करने के लिये वित्तीय हस्त पुस्तिका के नियमों या अन्य आदेशों के अधीन व्यय करने से पूर्व सक्षम अधिकारी की स्वीकृति प्राप्त करना आवश्यक है। ऐसा व्यय सम्बन्धित अधिकारी की स्वीकृति प्राप्त कर ही किया जाना चाहिए। स्वीकृत व्यय में मितव्ययता नितान्त आवश्यक है।

3-- किसी भी मद में व्यय के पूर्व वित्तीय हस्तपुस्तिका, बजट मैनुअल, भंडार क्रय नियम तथा मितव्ययता सम्बन्धी समय-समय पर निर्गत शासनादेशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाय। उपकरणों का क्रय डी0जी0एस0एण्ड0डी0 की दरों पर किया जायेगा और ये दरें न होने की स्थिति में टेंडर (कोटेशन). विषयक नियमों का अनुपालन करते हुये ही किया जायेगा।

4-- भुगतान से पूर्व यह भली-भांति सुनिश्चित कर लिया जाय कि उपरोक्त उल्लिखित मेलों हेतु अनुदान किसी अन्य विभाग/मद में व्यय नहीं किया जायेगा।

5-- उक्त व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2005-06 के आय-व्ययक के अनुदान संख्या-11 के लेखाशीर्षक-2205-कला एवं संस्कृति-102-कला एवं संस्कृति का सम्वर्द्धन-00-06-साहित्य एवं कला परिषद की स्थापना-20-सहायक अनुदान/अंशदान/राजसहायता के आयोजनागत पक्ष के मानक मद के नामें डाला जायेगा।

6-- उपरोक्त आदेश वित्त विभाग के अशा0 पत्र सं0- 124/वित्त अनुभाग-2/2005, दिनांक 11 मई, 2005 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहें है।

भवदीय,

(अमिताभ श्रीवास्तव)
अपर सचिव।

पृष्ठांकन संख्या-- VI-I/2005, तद्दिनांकित

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

1-- महालेखाकार, लेखा एवं हकदारी,उत्तरांचल, देहरादून।
2-- निजी सचिव, मा0 मुख्यमंत्री जी, उत्तरांचल शासन।
3-- वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून।
4-- श्री एल0एम0 पन्त, अपर सचिव, वित्त विभाग।
5-- वित्त अनुभाग-2, उत्तरांचल शासन।
6-- एन0आई0सी0, सचिवालय परिसर।
7-- नियोजन अनुभाग, उत्तरांचल शासन।
8-- गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

(अमिताभ श्रीवास्तव)
अपर सचिव।